

Strictly Confidential: (For Internal and Restricted use only)
Senior School Certificate Examination - 2020
Marking Scheme – ECONOMICS
SUBJECT CODE : 030 (PAPER CODE –58/1/1)

HMJ/1

General Instructions: -

1. You are aware that evaluation is the most important process in the actual and correct assessment of the candidates. A small mistake in evaluation may lead to serious problems which may affect the future of the candidates, education system and teaching profession. To avoid mistakes, it is requested that before starting evaluation, you must read and understand the spot evaluation guidelines carefully. **Evaluation is a 10-12 days mission for all of us. Hence, it is necessary that you put in your best efforts in this process.**
2. Evaluation is to be done as per instructions provided in the Marking Scheme. It should not be done according to one's own interpretation or any other consideration. Marking Scheme should be strictly adhered to and religiously followed. **However, while evaluating, answers which are based on latest information or knowledge and/or are innovative, they may be assessed for their correctness otherwise and marks be awarded to them.**
3. The Head-Examiner must go through the first five answer books evaluated by each evaluator on the first day, to ensure that evaluation has been carried out as per the instructions given in the Marking Scheme. The remaining answer books meant for evaluation shall be given only after ensuring that there is no significant variation in the marking of individual evaluators.
4. Evaluators will mark(\surd) wherever answer is correct. For wrong answer 'X' be marked. Evaluators will not put right kind of mark while evaluating which gives an impression that answer is correct and no marks are awarded. **This is most common mistake which evaluators are committing.**
5. If a question has parts, please award marks on the right-hand side for each part. Marks awarded for different parts of the question should then be totaled up and written in the left-hand margin and encircled. This may be followed strictly.
6. If a question does not have any parts, marks must be awarded in the left-hand margin and encircled. This may also be followed strictly.
7. If a student has attempted an extra question, answer of the question deserving more marks should be retained and the other answer scored out.

8. No marks to be deducted for the cumulative effect of an error. It should be penalized only once.
9. A full scale of marks 0-80 has to be used. Please do not hesitate to award full marks if the answer deserves it.
10. Every examiner has to necessarily do evaluation work for full working hours i.e. 8 hours every day and evaluate 20 answer books per day in main subjects and 25 answer books per day in other subjects (Details are given in Spot Guidelines).
11. Ensure that you do not make the following common types of errors committed by the Examiner in the past:-
 - Leaving answer or part thereof unassessed in an answer book.
 - Giving more marks for an answer than assigned to it.
 - Wrong totaling of marks awarded on a reply.
 - Wrong transfer of marks from the inside pages of the answer book to the title page.
 - Wrong question wise totaling on the title page.
 - Wrong totaling of marks of the two columns on the title page.
 - Wrong grand total.
 - Marks in words and figures not tallying.
 - Wrong transfer of marks from the answer book to online award list.
 - Answers marked as correct, but marks not awarded. (Ensure that the right tick mark is correctly and clearly indicated. It should merely be a line. Same is with the X for incorrect answer.)
 - Half or a part of answer marked correct and the rest as wrong, but no marks awarded.
12. While evaluating the answer books if the answer is found to be totally incorrect, it should be marked as cross (X) and awarded zero (0) Marks.
13. Any unassessed portion, non-carrying over of marks to the title page, or totaling error detected by the candidate shall damage the prestige of all the personnel engaged in the evaluation work as also of the Board. Hence, in order to uphold the prestige of all concerned, it is again reiterated that the instructions be followed meticulously and judiciously.
14. The Examiners should acquaint themselves with the guidelines given in the Guidelines for spot Evaluation before starting the actual evaluation.
15. Every Examiner shall also ensure that all the answers are evaluated, marks carried over to the title page, correctly totalled and written in figures and words.

The Board permits candidates to obtain photocopy of the Answer Book on request in an RTI application and also separately as a part of the re-evaluation process on payment of the processing charges.

| क्र.सं. | अपेक्षित उत्तर खण्ड क समष्टि अर्थशास्त्र | अंक |
|---------|---|----------|
| 1 | प्रश्न: अर्थव्यवस्था में मुद्रा आपूर्ति को नियंत्रित करने के लिए, केन्द्रीय बैंक ----- सकता है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ खरीद (B) खुले बाज़ार में प्रतिभूतियाँ बेच (C) नक़द आरक्षित अनुपात कम कर (D) रेपो दर कम कर उत्तर : दिए गए (A),(B),(C) अथवा(D) विकल्पों में से प्रत्येक को सही माना जाए तथा एक प्रदान किये जाएं। | 1 |
| 2 | प्रश्न: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: “सरकारी बजट मौद्रिक नीति का एक महत्वपूर्ण साधन है।” उत्तर: असत्य अथवा प्रश्न: विनिवेश सरकार की एक _____ (पूँजीगत/राजस्व) प्राप्ति है। (सही विकल्प का चयन कीजिए) उत्तर : पूँजीगत | 1 1 |
| 3 | प्रश्न: प्रभावी माँग को परिभाषित करते हैं _____। (उचित परिभाषा द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) उत्तर : रोजगार तथा उत्पादन का वह स्तर जहाँ पर समग्र माँग तथा समग्र पूर्ति बराबर होते हैं। | 1 |
| 4 | प्रश्न: _____ तथा _____ मुद्रा आपूर्ति के दो घटक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए) उत्तर: (i) जनता के पास करेंसी (ii) वाणिज्यिक बैंकों के पास माँग जमाए | ½ + ½ |
| 5 | प्रश्न: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य: “अपेक्षित अप्रचलन को मूल्यहास में शामिल किया जाता है।” उत्तर : सत्य | 1 |
| 6 | प्रश्न: राजकोषीय घाटे का अनुमान _____ सूत्र से लगाया जा सकता है। (सही सूत्र द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) उत्तर : कुल व्यय - कुल प्राप्तियाँ (उधार को छोड़कर) (अन्य किसी सही सूत्र को भी अंक दिए जाएं) | 1 |
| 7 | प्रश्न: कीन्स के अर्थशास्त्र सिद्धांतों के अनुसार, औसत उपभोग प्रवृत्ति का मान _____ कभी नहीं हो सकता है। (A) शून्य (B) इकाई (1) (C) एक से अधिक (D) एक से कम उत्तर: (A) शून्य | 1 |
| 8 | प्रश्न: _____ विदेशी मुद्रा की माँग के सबसे महत्वपूर्ण स्रोतों में से एक है। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) उत्तर: वस्तुओं तथा सेवाओं का आयात (अथवा अन्य किसी सही स्रोत को अंक दिए जाएं) | 1 |
| 9 | प्रश्न: उल्लेख कीजिए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : “कीन्स के सिद्धांतानुसार एक अर्थव्यवस्था में, पूर्ण रोजगार की स्थिति कभी मौजूद नहीं हो सकती।” उत्तर: असत्य | 1 |
| 10 | प्रश्न: 'व्यापार अधिशेष' को परिभाषित कीजिए। उत्तर: व्यापार अधिशेष से तात्पर्य वस्तुओं (दृश्य मदों) के निर्यात से होने वाली विदेशी विनिमय की प्राप्तियों की वस्तुओं (दृश्य मदों) के आयात से होने वाली विदेशी विनिमय भुगतान पर अधिकता से है। | 1 |
| 11 | प्रश्न 11. “अंतिम वस्तुओं के अंतर्गत केवल वे वस्तुएँ शामिल होती हैं, जो कि गृहस्थों द्वारा उपभोग की जाती हैं।” दिए गए कथन का मान्य कारण द्वारा समर्थन अथवा खंडन कीजिए। उत्तर: दिए गए कथन का खंडन किया जाता है क्योंकि, अंतिम वस्तुएँ वे वस्तुएँ होती हैं जिनका या तो गृहस्थों द्वारा उपभोग किया जाता है अथवा उत्पादकों द्वारा निवेश किया जाता है। अथवा प्रश्न “आय का वर्तुल प्रवाह सिद्धांत इस पूर्वधारणा पर आधारित है कि एक व्यक्ति द्वारा किया गया व्यय दूसरे की आय बनती है।” दिए गए कथन का वर्णन कीजिए। उत्तर: दो क्षेत्रक अर्थव्यवस्था में ग्रहस्थ क्षेत्र और फ़र्म का अस्तित्व ही अर्थव्यवस्था को चलाता है। ग्रहस्थ क्षेत्र फ़र्म को कारक सेवाएँ प्रदान करता है तथा परिणामस्वरूप कारक आय प्राप्त करता है जबकि फ़र्म वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन करती है तथा इन्हे गृहस्थ क्षेत्र को बेचती है और समान आय सृजित करती है जितनी की ग्रहस्थ क्षेत्र ने अर्जित की थी। अतः आय का वर्तुल प्रवाह इस सिद्धांत को सिद्ध करता है कि किसी एक का व्यय दूसरे की आय होता है। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं है) (अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान किये जायें) | 3 3 |
| 12 | प्रश्न: निम्नलिखित कथन का मान्य कारण द्वारा औचित्य सिद्ध कीजिए: “प्रत्याशित कुल माँग सदैव प्रत्याशित कुल पूर्ति के बराबर होती है” उत्तर: दिया गया कथन असत्य है क्योंकि प्रत्याशित समग्र माँग तथा प्रत्याशित समग्र पूर्ति केवल अर्थव्यवस्था में संतुलन की स्थिति में ही बराबर होती हैं। अल्पकालीन रोजगार संतुलन स्तर पर जब प्रत्याशित समग्र माँग, प्रत्याशित समग्र पूर्ति से कम होती है तो इससे माल सूची में वृद्धि हो सकती है। अतः उत्पादक रोजगार को कम करेंगे जिससे उत्पादन तथा आय में कमी आएगी और यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक प्रत्याशित समग्र माँग प्रत्याशित समग्र पूर्ति के बराबर न हो जाए। तथा इसके विपरीत भी। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (चित्र की आवश्यकता नहीं है) (अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान किये जायें) | 3 |

| 13 | <p>प्रश्न: एक काल्पनिक संख्यात्मक उदाहरण का प्रयोग करते हुए, वाणिज्यिक बैंक द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या कीजिए। उत्तर: साख गुणक उस मुद्रा की राशि को मापता है जो बैंक अपने पास प्रारंभिक जमा की प्रत्येक मौद्रिक इकाई से जमाओं के रूप में सृजित करने में समर्थ होते हैं। साख निर्माण का वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) से विलोम संबंध होता है। वाणिज्यिक बैंकों द्वारा साख निर्माण दो बातों पर निर्भर करता है :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. आरंभिक जमा की राशि 2. वैधानिक रिज़र्व अनुपात (LRR) <p>माना की: आरंभिक जमा ₹ 1000 है और LRR 10% है। तब बैंक अपने पास जमा का 10% (₹100) रिज़र्व के रूप में रखेंगे तथा शेष राशि (₹ 900) उधार दे देंगे। उधार लेने वाले इस राशि को भुगतान के रूप में व्यय करेंगे। यह माना जाता है कि ₹ 900 की पूरी राशि नई जमाओं के रूप में बैंकिंग व्यवस्था में वापस आ जाती है। अब बैंक पुनः इस राशि (₹ 900) का 10% (₹90) अपने पास रिज़र्व रखेंगे तथा शेष राशि (₹810) को उधार दे देंगे। यह प्रक्रिया तब तक जारी रहेगी जब तक कुल रिज़र्व आरंभिक जमा के बराबर नहीं हो जाते। कुल साख निर्माण = आरंभिक जमा $\times \left(\frac{1}{LRR}\right)$ = $1000 \times \left(\frac{1}{10\%}\right)$ = ₹ 10,000</p> <p>₹1000 की आरंभिक जमा कुल मुद्रा पूर्ति को ₹10,000 में बढ़ा देती है। (तालिका के रूप में व्याख्या को भी अंक दिये जाए)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: “केन्द्रीय बैंक सरकार के बैंकर का कार्य करता है।” दिए गए कथन का विस्तार से वर्णन कीजिए। उत्तर: केंद्रीय बैंक सरकार के बैंकर के रूप में कार्य करता है। यह सरकार के खातों को बनाए रखता है उनकी प्राप्तिओं को स्वीकार करता है तथा उन्हें ऋण प्रदान करता है। केंद्रीय बैंक सरकार की ओर से खुले बाजार में सरकारी प्रतिभूतियों का क्रय तथा विक्रय करता है यह सरकार को नीतिगत मामलों में सलाह भी देता है। (पूरे उत्तर को एक साथ अंकित किया जाए)</p> | 1 ½ ½ 2 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|---------|---|-----------------------------------|------|-------------------|----|--------|-----|----|---|-----|-----|--------|----|----|--------------------|---|---|----------|----|----|-----------------|-----|--|
| 14 | <p>प्रश्न: “व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलांग लगा रहा है, इसके फलस्वरूप कई बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ (MNC) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं।” उपर्युक्त कथन के आलोक में, विदेशी मुद्रा के प्रवाह और भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव पर टिप्पणी कीजिए। उत्तर: व्यापार सुगमता सूचकांक में भारत बड़ी छलांग लगा रहा है, जिसके फलस्वरूप बहुत से बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ (MNCs) अपने उत्पादन आधार को भारत में स्थानांतरित कर रही हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था में विदेशी विनिमय का अंतःप्रवाह (Inflow) बढ़ रहा है। इसके कारण भारत में बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि हो रही है। जिससे विदेशी विनिमय पूर्ति बढ़ जाएगी इसके कारण विदेशी विनिमय की दर में कमी आएगी। परिणाम स्वरूप भारतीय रुपए (₹) में मूल्य वृद्धि हो जाएगी। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से उत्पादन में वृद्धि होगी तथा इसके फलस्वरूप भारतीय अर्थव्यवस्था में रोजगार अवसरों का सृजन होगा। (पूरा उत्तर एक साथ अंकित किया जाए) (अन्य किसी मान्य व्याख्या को भी अंक प्रदान कियें जायें)</p> | 4 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 15 | <p>प्रश्न: (a) राजस्व व्यय को परिभाषित कीजिए। उत्तर: (a) राजस्व व्यय - राजस्व व्यय सरकार का वह व्यय है जिससे न तो सरकार की परिसंपत्तियों का निर्माण होता है तथा न ही सरकार की देयताओं में कमी आती है। प्रश्न: (b) प्रत्यक्ष कर तथा अप्रत्यक्ष कर के बीच अन्तर स्पष्ट कीजिए। उत्तर: (b) प्रत्यक्ष कर - वह कर जिसकी देयता तथा भार समान संस्था/ व्यक्ति पर पड़ता है। अतः इसका भार किसी अन्य संस्था/ व्यक्ति पर नहीं डाला जा सकता है। जैसे आयकर, जबकि; अप्रत्यक्ष कर - वह कर जिसकी देयता तथा भार विभिन्न संस्थाओं/ व्यक्तियों पर पड़ता है। अतः इसका भार अन्य संस्था/ व्यक्ति पर डाला जा सकता है जैसे जीएसटी(GST)</p> | 1 1 ½ 1 ½ | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 16 | <p>प्रश्न: (a) निम्नलिखित आँकड़ों से 'स्टॉक में परिवर्तन के मूल्य की गणना कीजिए :</p> <table border="1" data-bbox="370 1612 1279 1871"> <thead> <tr> <th>क्र.सं.</th> <th>मदें</th> <th>राशि(₹ करोड़ में)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>i.</td> <td>विक्री</td> <td>400</td> </tr> <tr> <td>ii</td> <td>साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि (NVA_{FC})</td> <td>200</td> </tr> <tr> <td>iii</td> <td>अनुदान</td> <td>10</td> </tr> <tr> <td>iv</td> <td>स्टॉक में परिवर्तन</td> <td>?</td> </tr> <tr> <td>v</td> <td>मूल्यहास</td> <td>40</td> </tr> <tr> <td>vi</td> <td>मध्यवर्ती उपभोग</td> <td>100</td> </tr> </tbody> </table> | क्र.सं. | मदें | राशि(₹ करोड़ में) | i. | विक्री | 400 | ii | साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि (NVA _{FC}) | 200 | iii | अनुदान | 10 | iv | स्टॉक में परिवर्तन | ? | v | मूल्यहास | 40 | vi | मध्यवर्ती उपभोग | 100 | |
| क्र.सं. | मदें | राशि(₹ करोड़ में) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| i. | विक्री | 400 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| ii | साधन लागत पर निवल मूल्य वृद्धि (NVA _{FC}) | 200 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| iii | अनुदान | 10 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| iv | स्टॉक में परिवर्तन | ? | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| v | मूल्यहास | 40 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| vi | मध्यवर्ती उपभोग | 100 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | <p>उत्तर: स्टॉक में परिवर्तन = (ii) +(vi)+(v)-(iii)-(i) = 200+100+40-10-400 = (-)₹70 करोड़</p> <p>प्रश्न: (b) वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद को परिभाषित कीजिए। उत्तर: वास्तविक घरेलू उत्पाद - एक अर्थव्यवस्था में एक वर्ष में उत्पादित किए गए वस्तुओं तथा सेवाओं के कुल मौद्रिक मूल्य को जब दिए गए आधार वर्ष की कीमतों पर निर्धारित किया जाता है।</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: (a) संपत्ति और उद्यमशीलता से आय के तीन घटकों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। उत्तर: संपत्ति और उद्यमशीलता (परिचालन अधिशेष) से आय के घटक निम्न है - (i) किराया/रॉयल्टी (ii) ब्याज (iii) लाभ</p> <p>प्रश्न: (b) 'बह्यताएँ क्या होती हैं ? उपयुक्त उदाहरणों सहित इसके प्रकार लिखिए। उत्तर: बह्यताओं से तात्पर्य फर्म / व्यक्ति द्वारा समाज में होने वाले लाभ / हानि से है। जिसके लिए न तो उन्हें पुरस्कार दिया जाता है और न ही कोई दंड। (i) धनात्मक बह्यताएँ - सामाजिक लाभ, उदाहरण के लिए बढ़ते हुए शैक्षिक मानको से समाज में आर्थिक उत्पादकता में वृद्धि हो सकती है। (ii) ऋणात्मक बह्यताएँ - सामाजिक हानि, उद्योगों से निकालने वाले धुएँ से वायु प्रदूषण।</p> | <p>2 1½ ½</p> <p>2</p> <p>1 1 1</p> <p>1</p> <p>½ + ½</p> <p>½ + ½</p> | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|------|--|--|-------------------------------------|-----------------------------------|-------------------------------------|-----------------------------------|---|-----|-----|----|----|----|---|----|----|----|-----|---|----|------|------|--|---|---|---|---|--|--|-----|-----|-----|--|
| 17 | <p>प्रश्न 17. एक अर्थव्यवस्था में, यदि प्रारंभिक निवेश में ₹ 100 करोड़ की वृद्धि हुई है, यह मानते हुए कि सीमांत उपभोग प्रवृत्ति 0.8 है, निवेश गुणक की कार्यपद्धति की चर्चा कीजिए। उत्तर : निवेश गुणक की कार्य पद्धति इस तथ्य पर आधारित है कि एक व्यक्ति का व्यय दूसरे व्यक्ति की आय है। दिया गया प्रारंभिक निवेश = ₹ 100 करोड़ और MPC = 0.8</p> <table border="1" style="width: 100%; text-align: center;"> <thead> <tr> <th>चक्र</th> <th>निवेश में परिवर्तन (₹ करोड़ में)</th> <th>आय में परिवर्तन (₹ करोड़ में)</th> <th>उपभोग में परिवर्तन (₹ करोड़ में)</th> <th>बचत में परिवर्तन (₹ करोड़ में)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>I</td> <td>100</td> <td>100</td> <td>80</td> <td>20</td> </tr> <tr> <td>II</td> <td>-</td> <td>80</td> <td>64</td> <td>16</td> </tr> <tr> <td>III</td> <td>-</td> <td>64</td> <td>51.2</td> <td>12.8</td> </tr> <tr> <td></td> <td>-</td> <td>-</td> <td>-</td> <td>-</td> </tr> <tr> <td></td> <td></td> <td>500</td> <td>400</td> <td>100</td> </tr> </tbody> </table> <p>(तालिका की व्याख्या)</p> $K = \frac{1}{1-mpc}$ $= \frac{1}{0.2} = 5$ $\Delta Y = K \times \Delta I$ $= 5 \times 100$ $= ₹ 500 \text{ करोड़}$ <p style="text-align: right;">(अन्य उचित व्याख्या को भी अंकित किया जाय)</p> | चक्र | निवेश में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | आय में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | उपभोग में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | बचत में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | I | 100 | 100 | 80 | 20 | II | - | 80 | 64 | 16 | III | - | 64 | 51.2 | 12.8 | | - | - | - | - | | | 500 | 400 | 100 | <p>2</p> <p>1 1</p> <p>½ ½ 1</p> |
| चक्र | निवेश में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | आय में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | उपभोग में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | बचत में परिवर्तन (₹ करोड़ में) | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| I | 100 | 100 | 80 | 20 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| II | - | 80 | 64 | 16 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| III | - | 64 | 51.2 | 12.8 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | - | - | - | - | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | 500 | 400 | 100 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | खण्ड ख भारतीय अर्थव्यवस्था का विकास | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 18 | <p>प्रश्न: भारत की प्रथम सात पंचवर्षीय योजनाओं में भारत सरकार द्वारा _____ नीति का अनुगमन घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए किया गया था। (सही उत्तर द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) उत्तर: आयात प्रतिस्थापन (अथवा अन्य कोई प्रासंगिक पद)</p> | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 19 | <p>प्रश्न: जैविक खेती के किसी एक लाभ का उल्लेख कीजिए। उत्तर: सुरक्षित व स्वास्थ्यकर भोजन (अथवा अन्य कोई लाभ)</p> | 1 | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| 20 | प्रश्न: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है या असत्य : “विगत कुछ दशकों में, भारत में प्राथमिक क्षेत्र ने सर्वाधिक रोजगार के अवसर उत्पन्न किये हैं।” उत्तर : असत्य | 1 | | | | | | | | | |
|---------|--|--------------------------------|--------------------------------------|--------------------------------|------|------|-----|-----|------|-----|--|
| 21 | प्रश्न: _____ विश्व व्यापार संगठन (WTO) की पूर्ववर्ती संस्था थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए।) (A) अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक (IBRD) (B) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) (C) भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT) उत्तर : (D) व्यापार और सीमा शुल्क महासंधि (GATT) | 1 | | | | | | | | | |
| 22 | प्रश्न: भारत निम्नलिखित में से किस क्षेत्रीय/वैश्विक आर्थिक समूह का सदस्य नहीं है ? (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) यूरोपियन संघ (B) BRICS (ब्रिक्स) (C) G-20 (D) SAARC (सार्क) उत्तर : (A) यूरोपियन संघ | 1 | | | | | | | | | |
| | अथवा प्रश्न पाकिस्तान ने वर्ष _____ में अपने आर्थिक सुधारों की शुरुआत की थी। (सही विकल्प का चयन कीजिए) (A) 1974 (B) 1976 (C) 1978 (D) 1988 उत्तर : (D) 1988 | 1 | | | | | | | | | |
| 23 | प्रश्न: बताइए कि निम्नलिखित कथन सत्य है अथवा असत्य: “स्वयं सहायता समूह अतिलघु साख संगठन के उदाहरण हैं।” उत्तर : सत्य | 1 | | | | | | | | | |
| 24 | प्रश्न: 'ग्रेट लीप फॉरवर्ड' का मुख्य उद्देश्य चीन में _____ (प्राथमिक/द्वितीयक/तृतीयक) क्षेत्र में तेज़ी से वृद्धि सुनिश्चित करना था। उत्तर: द्वितीयक | 1 | | | | | | | | | |
| 25 | प्रश्न: 1991 में भारत में आर्थिक सुधारों को कार्यान्वित करने के किसी एक परिणाम का उल्लेख कीजिए। उत्तर : निवेश में अधिक अन्तर्वाह (Inflow) (अथवा अन्य कोई प्रासंगिक परिणाम) | 1 | | | | | | | | | |
| 26 | प्रश्न: कालानुक्रमिक क्रम में निम्नलिखित घटनाओं को व्यवस्थित कीजिए तथा दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए : (i) चीनी जनवादी गणराज्य की स्थापना (ii) पाकिस्तान का निर्माण (iii) भारत की प्रथम पंचवर्षीय योजना (iv) चीन की प्रथम पंचवर्षीय योजना विकल्प: (A) (i), (iv), (ii), (iii) (B) (iii), (ii), (i), (iv) (C) (ii), (i), (iii), (iv) (D) (iv), (iii), (ii), (i) उत्तर: (C) (ii), (i), (iii), (iv) | 1 | | | | | | | | | |
| 27 | प्रश्न: स्वतंत्र भारत का प्रथम औद्योगिक नीति प्रस्ताव वर्ष में घोषित किया गया था। (सही विकल्प द्वारा रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए) (A) 1947 (B) 1948 (C) 1951 (D) 1956 उत्तर : (B) 1948 | 1 | | | | | | | | | |
| 28 | प्रश्न: “मानव पूंजी निर्माण नवोत्थान, आविष्कार तथा तकनीकी सुधारों को जन्म देता है।” क्या आप दिए गए कथन से सहमत हैं ? मान्य तर्कों सहित अपने उत्तर का समर्थन कीजिए। उत्तर : हां इस कथन से सहमत हैं। मानव पूंजी निर्माण केवल मानव संसाधनों की उत्पादकता को ही नहीं बढ़ाता है बल्कि नवोत्थान तथा नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता को भी प्रेरित करता है। शिक्षा में निवेश नई तकनीकी को अपनाने की योग्यता, वैज्ञानिक प्रगति के अवसर तथा नवोत्थान में सहायता करता है क्योंकि शिक्षित कार्यबल सामान्यतया नई तकनीकी तथा नवोत्थान को तेज़ी से सीखता तथा अपनाता है। (किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय) (पूरा एक साथ मूल्यांकन किया जाय) अथवा प्रश्न भारत में ग्रामीण विकास की प्रक्रिया में ग्रामीण बैंकिंग व्यवस्था की भूमिका का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। उत्तर : बैंकिंग व्यवस्था के त्वरित प्रसार का ग्रामीण कृषि और गैर कृषि उत्पादन, आय और रोजगार पर सकारात्मक प्रभाव रहा है लेकिन इसके बावजूद भी ग्रामीण बैंकों को निम्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है ★ देश में ग्रामीण साख व्यवस्था इसकी पूर्ति की अपेक्षा अपर्याप्त है तथा औपचारिक साख व्यवस्था बहुसंख्यक ग्रामीण किसानों को अपने अंतर्गत लाने में विफल रही है ★ ऋण की आवश्यकता वाले छोटे व सीमांत किसानों पर कम ध्यान दिया गया तथा कृषि ऋणों की वसूली न होना भी एक समस्या बनी हुई है (किसी अन्य मान्य तर्क को भी अंकित किया जाय) | 3 1 ½ 1 ½ | | | | | | | | | |
| 29 | प्रश्न 29 वैश्व कारणों के साथ भारत और चीन के दिए गए आँकड़ों की तुलना व विश्लेषण कीजिए : <table border="1"> <thead> <tr> <th>राष्ट्र</th> <th>जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015)</th> <th>लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष)</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>भारत</td> <td>1.2%</td> <td>929</td> </tr> <tr> <td>चीन</td> <td>0.5%</td> <td>941</td> </tr> </tbody> </table> | राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) | भारत | 1.2% | 929 | चीन | 0.5% | 941 | |
| राष्ट्र | जनसंख्या वृद्धि की वार्षिक दर (2015) | लिंगानुपात (प्रति हज़ार पुरुष) | | | | | | | | | |
| भारत | 1.2% | 929 | | | | | | | | | |
| चीन | 0.5% | 941 | | | | | | | | | |

| | <p>स्रोत : विश्व विकास संकेतक, 2015.</p> <p>उत्तर : (i) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन ने 1970 के दशक में "एक शिशु नीति" जैसे कुछ सख्त उपायों की सहायता से अपनी जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर को नियंत्रित किया है। ये उपाय चीन के लिए जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने में मददगार सिद्ध हुए। भारत की जनसंख्या की वार्षिक वृद्धि दर जो 1.2% है, चीन जिसकी वार्षिक वृद्धि दर 0.5% , से लगभग दुगुनी है।</p> <p>(ii) दोनों देशों का सामाजिक ढांचा लगभग समान है। लड़कों को प्राथमिकता देने के कारण दोनों ही देशों का लिंगानुपात कम तथा पक्षपातपूर्ण है। जहां भारत 929 महिला प्रति 1000 पुरुष पर खड़ा है वहीं चीन भी 941 महिला प्रति 1000 पुरुष के साथ बहुत दूर नहीं है।</p> | 2 1 | | | | | | | | | | | | | | | | |
|----------|--|---------------------------|-----------|-----------|-----------|----------|----|------|------|----------|----|------|------|------|----|------|------|------------|
| 30 | <p>प्रश्न: "भारत को प्रायः विश्व का 'बाह्य प्रापण गंतव्य' कहा जाता है।" भारत को दिए गए इस नाम के मुख्य कारणों की चर्चा कीजिए।</p> <p>उत्तर : भारत को विश्व का "बाह्य प्रापण गंतव्य" कहने के मुख्य कारण हैं -</p> <p>(1) कुशल मानव शक्ति की उपलब्धता - भारत में कुशल मानव शक्ति की बहुतायत है जो बहुराष्ट्रीय कंपनियों के विश्वास को बढ़ाता है।</p> <p>(2) अनुकूल सरकारी नीतियां - भारतीय सरकार बहुराष्ट्रीय कंपनियों को विभिन्न प्रकार के लाभ प्रद प्रस्ताव जैसे करो मे छूट, करो की निम्न दर आदि, देती है जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियां भारत की ओर आकर्षित होती है। (या अन्य कोई उपयुक्त कारण सहित व्याख्या)</p> <p>अथवा</p> <p>प्रश्न आयात प्रतिस्थापन का अर्थ लिखिए। स्पष्ट कीजिए कि आयात प्रतिस्थापन किस प्रकार घरेलू उद्योगों को संरक्षण प्रदान कर सकता है।</p> <p>उत्तर : आयात प्रतिस्थापन से तात्पर्य उस नीति से है जिसमें आयात का प्रतिस्थापन घरेलू उत्पादन द्वारा किया जाता है। भारत का घरेलू उद्योग विकसित देशों द्वारा उत्पादित वस्तुओं से प्रतिस्पर्धा करने की स्थिति में नहीं था। अतः आयात प्रतिस्थापन की नीति ने इनकी रक्षा दो प्रकार से की :</p> <p>(i) आयातित वस्तुओं पर प्रशुल्क लगाकर</p> <p>(ii) कोटा - कोटे में आयातित वस्तुओं की मात्रा निर्दिष्ट की जाती है। परिणाम स्वरूप घरेलू फ़र्मों, विदेशी वस्तुओं की प्रतिस्पर्धा से बिना डरे अधिक विकास कर पाएँगी।</p> | 2 2 1 1 ½ 1 ½ | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 31 | <p>प्रश्न: (a) अंग्रेज़ों द्वारा भारत में किए गए किसी एक सकारात्मक योगदान का उल्लेख कीजिए।</p> <p>उत्तर : रेलवे का आरंभ (अथवा अन्य कोई सकारात्मक योगदान)</p> <p>प्रश्न :(b) स्वतंत्रता के समय भारत के विदेशी व्यापार के परिमाण और दिशा की जानकारी दीजिए।</p> <p>(b) औपनिवेशिक सरकार द्वारा अपनाई गई वस्तु उत्पादन , व्यापार और सीमा शुल्क की प्रतिबंधकारी नीतियों का भारत के विदेशी व्यापार की दिशा तथा परिणाम पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा जैसे :</p> <p>i. भारत के निर्यात और आयात व्यापार पर इंग्लैंड ने एकाधिकार जमाए रखा।</p> <p>ii. भारत का आधे से अधिक व्यापार तो केवल इंग्लैंड तक सीमित रहा तथा शेष कुछ व्यापार चीन श्रीलंका और ईरान से भी होने दिया जाता था</p> <p>iii. औपनिवेशिक काल में भारत में विशाल निर्यात अधिशेष था। (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्या को भी अंकित किया जाये)</p> | 1 1 1 1 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 32 | <p>प्रश्न: निम्नलिखित में से किन्हीं दो को परिभाषित कीजिए :</p> <p>(a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता (b) पर्यावरण की धारण क्षमता (c) गरीबी रेखा (कैलोरी मानों के पदों में)</p> <p>उत्तर: (a) पर्यावरण की अवशोषी क्षमता - इसका अर्थ पर्यावरण की अपक्षय को सोखने की योग्यता से है।</p> <p>(b) पर्यावरण की धारण क्षमता - इसका अर्थ है कि संसाधनों का निष्कर्षण इनके पुनर्जनन की दर से अधिक नहीं है और उत्पन्न अवशेष पर्यावरण की समावेशन क्षमता के भीतर हैं।</p> <p>(C) निर्धनता रेखा (गरीबी रेखा) - निर्धनता रेखा न्यूनतम कैलोरी उपभोग के प्रति व्यय का निर्धारण करने की विधि है इसके अनुसार ग्रामीण व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2400 कैलोरी तथा शहरी व्यक्ति को प्रतिदिन औसतन 2100 कैलोरी का न्यूनतम उपभोग मिलना चाहिए। (किन्हीं दो मान्य उत्तरों को अंकित किया जाये)</p> | 2+2 | | | | | | | | | | | | | | | | |
| 33 | <p>प्रश्न: (a) नियमित वेतनभोगी कर्मचारियों में महिलाएँ कम क्यों हैं ?</p> <p>उत्तर: (a) (i) नियमित वेतन भोगी कर्मचारियों में महिलाओं की संख्या इसलिए कम है क्योंकि इस तरह के कार्य के लिए बौद्धिक कौशल तथा उच्च स्तर की शैक्षिक योग्यता की आवश्यकता होती है</p> <p>(ii) सामाजिक बंधनों के कारण महिलाओं में गतिशीलता की कमी होती है।</p> <p>प्रश्न: b) भारत में कार्य बल के क्षेत्रीय वितरण में हाल की प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए : रोजगार पद्धति की प्रवृत्तियाँ (क्षेत्रक), 1993 - 2012 (प्रतिशत में)</p> <table border="1"> <thead> <tr> <th>क्षेत्रक</th> <th>1993-94</th> <th>1999-2000</th> <th>2011-2012</th> </tr> </thead> <tbody> <tr> <td>प्राथमिक</td> <td>64</td> <td>60.4</td> <td>48.9</td> </tr> <tr> <td>द्वितीयक</td> <td>16</td> <td>15.8</td> <td>24.3</td> </tr> <tr> <td>सेवा</td> <td>20</td> <td>23.8</td> <td>26.8</td> </tr> </tbody> </table> | क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 | प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 | द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 | सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 | 1 ½ 1 ½ |
| क्षेत्रक | 1993-94 | 1999-2000 | 2011-2012 | | | | | | | | | | | | | | | |
| प्राथमिक | 64 | 60.4 | 48.9 | | | | | | | | | | | | | | | |
| द्वितीयक | 16 | 15.8 | 24.3 | | | | | | | | | | | | | | | |
| सेवा | 20 | 23.8 | 26.8 | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | |
|----|--|--------------------------------------|
| | <p>(b) दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि दिए गए समयकाल के दौरान प्राथमिक क्षेत्र में कार्यबल का अनुपात तेजी से घटा है जबकि द्वितीयक तथा सेवायें दोनों क्षेत्रों में रोजगार की सहभागिता बढ़ी है। 1993 - 94 से 2011 - 12 के बीच द्वितीयक क्षेत्रक में हिस्सेदारी लगभग 9% तथा सेवा क्षेत्र में इसी समय-काल के लिए लगभग 7% बढ़ी है। (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्याको भी अंकित किया जाये)</p> | 3 |
| 34 | <p>प्रश्न:(a) “ग्रामीण भारत के लिए उज्वला योजना प्रमुख परिवर्तक रही है।” ऐसे किन्हीं तीन पारंपरिक ईंधनों का उल्लेख कीजिए, जिनके प्रयोग को कम करने की दिशा में एल.पी.जी. सिलेंडर वितरण योजना (उज्वला योजना) कार्य कर रही है। उत्तर:(a) ऊर्जा के पारंपरिक स्रोत वायु प्रदूषण के कारण बनते हैं इसलिए सरकार ने ग्रामीण भारत के लिए मुफ्त एलपीजी गैस सिलेंडर (स्वच्छ ईंधन) वितरण योजना द्वारा उज्वला योजना की शुरुआत की है जो ग्रामीण गृहस्थों के लिए प्रमुख परिवर्तक रही है। तीन पारंपरिक ईंधन जिनका प्रयोग उज्वला योजना के कारण कम हुआ है- (i) कृषि अवशेष और सूखा गोबर। (ii) जलाऊ लकड़ी। (iii) कोयला। (अन्य कोई उचित उदाहरण)</p> <p>प्रश्न: (b) “स्वयं को ठीक करने के लिए भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक की आवश्यकता है।” मान्य तर्कों द्वारा दिए गए कथन का औचित्य सिद्ध कीजिए। उत्तर: (b) इस कथन का समर्थन किया जाता है क्योंकि स्वतंत्रता से ही भारत में स्वास्थ्य प्रणाली में सुधार की गति अतार्किक रूप से धीमी रही है। दूसरे कारणों के साथ स्वास्थ्य प्रणाली अपेक्षाकृत कम सार्वजनिक व्यय की शिकार रही है। कुछ बड़े विकासशील देशों की तुलना में हमारा स्वास्थ्य पर जीडीपी के प्रतिशत के रूप में, खर्च बहुत कम रहा है। यह 2014-15 में कुल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 4.7% है। इसलिए वास्तव में “भारतीय स्वास्थ्य प्रणाली को स्वयं को ठीक करने के लिए सार्वजनिक व्यय की एक शक्तिशाली खुराक में की आवश्यकता है। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्याको भी अंकित किया जाये)</p> <p style="text-align: center;">अथवा</p> <p>प्रश्न: भारतीय स्वतंत्रता से अब तक कार्यान्वित किए गए गरीबी उन्मूलन कार्यक्रमों के परिणामों की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए। उत्तर : स्वतंत्रता के पश्चात निर्धनता निवारण के लिए निर्धारित किए गए कार्यक्रमों के परिणामस्वरूप निर्धनों की निरपेक्ष संख्या तथा उनके प्रतिशत में कमी आई है। कुछ राज्यों में यह अनुपात निर्धनता के राष्ट्रीय औसत से भी कम हो गया है। इन कार्यक्रमों के बावजूद भी देश में अभी भी निर्धनता, भुखमरी, कुपोषण, निरक्षरता और बुनियादी सुविधाओं का अभाव निरंतर बना हुआ है जिसके कारण निम्नलिखित हैं- 1. परिसंपत्तियों के स्वामित्व में कोई मौलिक परिवर्तन ना होना। 2. भूमि और अन्य परिसंपत्तियों के वितरण की विषमताओं के कारण प्रत्यक्ष निर्धनता निवारण कार्यक्रमों का लाभ प्रायः गैर निर्धन वर्ग के लोग ही उठा पाए। 3. इन कार्यक्रमों के लिए आवंटित संसाधन नितांत ही अपर्याप्त रहे। 4. निर्धनता निवारण कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के लिए उत्तरदायी अधिकारियों में उपयुक्त चेतना का अभाव तथा उनका अपर्याप्त प्रशिक्षण। अतः यह कहा जा सकता है की निर्धनता निवारण कार्यक्रम बहुत अच्छे कदम थे लेकिन सही तरह से क्रियान्वित न होने के कारण प्रत्याशित परिणाम प्राप्त न हो सके। (एक साथ मूल्यांकित किया जाए) (अन्य किसी मान्य कारण/तर्क/व्याख्याको भी अंकित किया जाये)</p> | <p>1x3 = 3</p> <p>3</p> <p>6</p> |